# व्यवसाय योजना

स्थिर मधुमक्खी पालन

## मार्कंडेय समान रूचि समूह हुरला

| | |
|---|---|
| ग्राम वन विकास समिति - | मियां बेहड हुरला |
| ग्राम पंचायत - | हुरला |
| वन परिक्षेत्र - | हुरला |
| वनमण्डल - | पार्वती |
| वनवृत - | कुल्लू |

**हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना**

# विषय –सूची


| क्र0सं0 | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1 | कार्यकारिणी सारांश | 1-2 |
| 2 | स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण व सूची | 3 |
| 3 | गांव की भौगोलिक स्थिति का विवरण | 3 |
| 4 | आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण | 4 |
| 5 | उत्पादन की प्रक्रियाऐं | 4 |
| 6 | उत्पादन नियोजन | 4 |
| 7 | विक्रय तथा विपणन | 5 |
| 8 | सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण | 5 |
| 9 | शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis) | 6 |
| 10 | सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय | 6-7 |
| 11 | व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण | 7-8 |
| 12 | अर्थव्यवस्था का सारांश | 8 |
| 13 | अनुमान | 8 |
| 14 | उद्यम हेतूलाभ– लागत विश्लेषण | 8-9 |
| 15 | धन की आवश्यकता | 9 |
| 16 | धन की आवश्यकता का नियोजन | 9 |
| 17 | **ऋण वापिस का किश्तवार नियोजन** | 10 |
| 18 | टिप्पणी | 11 |
| 19 | **स्वयं सहायता समूह** के नियमों की सूचि | 12 |
| 20 | **ग्राम वन विकास समिति कार्यकारणी का अनमोदन** | 13 |
| 21 | **सहमति पत्र व मण्डल प्रबन्धन इकाई की स्वकृति** | 14 |
| 22 | **स्वयं सहायता समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ** | 15 |

## 1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय में स्थित है। यह राज्य कुदरती सुंदरता और समृद्धि, सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहर से भरपूर है। राज्य में विविध पारितंत्र, नदियों, घाटियों पाई जाती है। इसकी आबादी 70 लाख के करीब है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि० मी० है। हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाडियों से लेकर मध्य हिमालय का क्षेत्र के ऊँचाई व और ठंडे जोन का क्षेत्र पाया जाता है। राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से 6 जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमे कुल्लू जिला भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्राम वन विकास समिति मियां बेहड हुरला की सूक्ष्म योजना बनाई गयी है। सूक्ष्म योजना के अनुसार ग्राम वन विकास समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। यहाँ के लोग मुख्यता गेहूं, जौ, सब्जी की खेती करते हैं। इसके अतिरिक्त पलम, अनार इत्यादि की बागवानी करते हैं। परन्तु प्रत्येक परिवार की औसत भूमि बहुत कम है। अन्य संसाधन न होने के कारण उनके आय में अपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है। अतिरिक्त संसाधन के लिए मार्कंडेय स्वयं सहायता समूह का 22-03-2021 को गठन किया गया है। समूह ने स्थिर मधुमक्खी पालन से अपनी आजीविका बढाने का निर्णय लिया है। स्वयं सहायता समूह को समान रूचि समूह मार्कंडेय में दिनाकं 04-09-2021 परिवर्तित किया गया है। इस समूह में कुल 11 महिलाएँ सामान्य श्रेणी सदस्य है।

परियोजना की सहायता से प्रारम्भ में स्थिर मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 50% अंशदान (सामान्य श्रेणी का) वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 1,00,000/- रेवोल्विंग फण्ड दिया जाएगा ताकि बैंक में ऋण लेने में सुविधा हो सके। समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तो के हिसाब से कार्यो का आपसी बंटवारा करेगे तथा समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का बंटवारा करेंगे।

मार्कंडेय समान रूचि समूह की व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री पदम् सिंह चौहान (Retd HPFS), श्रीमती बबिता ठाकुर और श्री चमन लाल (वन रक्षक) ने बार बार समूह के सदस्यों से बैठक करके इस व्यवसाय योजना को तैयार किया है। इस व्यवसाय योजना बनाने में डॉ श्री रमेश लाल कृषि विज्ञान केन्द्र बजौरा (विशेषज्ञ) से विचार विमर्श किया गया तथा उनकी राय के अनुसार व्यवसाय योजना तैयार किया गया है। समूह में सम्मिलित सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :

| कमांक | लाभार्थी का नाम व पता | पद | गांव | आयु | लिंग | योग्यता | श्रेणी | सम्पर्क |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | श्रीमती सुल्क्षणा महंत पत्नी श्री अनिल महंत | प्रधान | हुरला | 37 | स्त्री | B.A | सामान्य (ओ० बी० सी०) | 9805015608 |
| 2 | श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री बलदेव कृष्ण | सचिव | हुरला | 46 | स्त्री | 1 0th | सामान्य | 9459886825 |
| 3 | श्रीमती कर्मा देवी पत्नी श्री केहर सिंह | कोषाध्यक्ष | हुरला | 51 | स्त्री | 9th | सामान्य | 7807805972 |
| 4 | श्रीमती लता शर्मा पत्नी श्री गोपाल भारद्वाज | सदस्य | हुरला | 37 | स्त्री | B.A | सामान्य | 9816522457 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | श्रीमती अमिता शर्मा पत्नी श्री पवन शर्मा | सदस्य | हुरला | 52 | स्त्री | B.A | सामान्य | 8920866686 |
| 6 | श्रीमती शकुंतला पत्नी श्री कुसुम सिंह | सदस्य | हुरला | 52 | स्त्री | 3rd | सामान्य | 6230448776 |
| 7 | श्रीमती उत्मी देवी पत्नी श्री जयराम | सदस्य | हुरला | 61 | स्त्री | 3rd | सामान्य | 9459516679 |
| 8 | श्रीमती मंजू बाला पत्नी श्री संजय कुमार | सदस्य | हुरला | 34 | स्त्री | 1 0th | सामान्य | 7807871774 |
| 9 | श्रीमती इशरी देवी पत्नी श्री बेली राम | सदस्य | हुरला | 56 | स्त्री | 3rd | सामान्य | 9805360337 |
| 10 | श्रीमती अर्चना महंत पत्नी श्री राजकुमार महंत | सदस्य | हुरला | 50 | स्त्री | +2 | सामान्य (ओ० बी० सी०) | 9418367140 |
| 11 | श्रीमती हिमा देवी पत्नी श्री मस्त राम | सदस्य | हुरला | 55 | स्त्री | 3rd | सामान्य (ओ० बी० सी०) | 9816246216 |

**मार्कंडेय समूह के सदस्य**

## 2. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण

| | | |
|---|---|---|
| **2.1** | **समान रूचि समूह** का नाम | मार्कंडेय |
| **2.2** | **समान रूचि समूह** का एम. आई. एस. कोड | – |
| **2.3** | ग्रामीण वन विकास समिति | मियां बेहड हुरला |
| **2.4** | वन परिक्षेत्र | हुरला |
| **2.5** | वन मण्डल | शमशी |
| **2.6** | गांव | हुरला |
| **2.7** | विकास खण्ड | कुल्लू |
| **2.8** | जिला | कुल्लू |
| **2.9** | समूह के कुल सदस्यों की संख्या | 11 |
| **2.10** | समूह के गठन की तिथि | 22.03.2021 |
| **2.11** | समान रूचि समूह की मासिक बचत | 100 |
| **2.12** | बैंक का नाम और शाखा जंहा समूह का खाता संचाालित | काँगड़ा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक बजौरा |
| **2.13** | बैंक खाता संख्या | 50073190946 |
| **2.14** | समूह की कुल बचत | 15000 /- |
| **2.15** | समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण | अभी तक नही |
| **2.16** | कैश क्रैडिट सीमा समूह सदस्यों द्वारा वापस किया गया ऋण की स्थिति | – |

## 3. गांव की भौगोलिक स्थिति

| | | |
|---|---|---|
| **3.1** | जिला मुख्यालय से दूरी | भुन्तर 8 कि0मी0, कुल्लू 18 कि0मी0 , मनाली 58 कि0मी0 |
| **3.2** | मुख्य सड़क से दूरी | भुन्तर 8 कि0मी0, कुल्लू 18 कि0मी0 , मनाली 58 कि0मी0 |
| **3.3** | स्थानीय बाजार का नाम और दूरी | भुन्तर 8 कि0मी0, कुल्लू 18 कि0मी0 , मनाली 58 कि0मी0 |
| **3.4** | मुख्य बाजार से दूरी और नाम | भुन्तर 8 कि0मी0, कुल्लू 18 कि0मी0 , मनाली 58 कि0मी0 |
| **3.5** | अन्य प्रमुख शहरों और कसबों से दूरी | भुन्तर 8 कि0मी0, कुल्लू 18 कि0मी0 , मनाली 58 कि0मी0 |
| **3.6** | बाजार/बाजारों से दूरी जहां पर उत्पादन की बिक्री की जायेगी | भुन्तर 8 कि0मी0, कुल्लू 18 कि0मी0 , मनाली 58 कि0मी0 |

## 4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

| | | |
|---|---|---|
| **4.1** | उत्पाद का नाम | शहद |
| **4.2** | उत्पाद की पहचान की पद्वति | कुछ सदस्य स्थिर मधुमक्खी पालन का कार्य पहले से ही करते है \| |
| **4.3** | समान रूचि समूह के सदस्यों की सहमति | हां |

## 5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्व प्रथम समान रूची समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा **स्थिर मधुमक्खी पालन** का प्रशिक्षण दिया जाऐगा। प्रशिक्षण के बाद समूह के सदस्यों को 90 दिन के चक्र में एक-एक सदस्य प्रतिदिन बारी-बारी से 4 घंटे कार्य करेगी | इस प्रकार कुल 360 घंटे अनुमानित किये गए हैं | जिसमे साफ़-सिफाई, शहद निकालना, डिब्बों में बंद करना, विपणन और देखभाल आदि कार्य शामिल है | उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण निम्न प्रकार से है :–

- समूह के सदस्य 90 दिन के चक्र में इटालियन मधुमक्खी (Apis mellifera) द्वारा तैयार किये गए शहद को वर्षभर में 3 बार शहद को निकालेंगे |
- चौथे चक्र में कोई भी शहद निकला नहीं जाएगा | क्योंकि सर्दियों में हुरला क्षेत्र में नवम्बर से जनवरी तक फलवार (Flowering) नहीं होती है |
- वर्षा के दिनों में सर्दियों में और बसंत में मधुमक्खी के कार्य न करने पर, फ्लावर न होने पर चीनी के घोल से शर्बत बनाकर इस प्रकार के अनुपात में (बसंत प्रारम्भ होते ही 1:1, जाड़ों में 1:2, वर्षाकाल में 1:1) फीडर के माध्यम से मधुमक्खी को खिलाना होगा |
- गर्मियों में मौन गृह का तापमान बनाए रखने के लिए मौनवंशों को पानी भी पिलायेंगे |
- सर्दियों में ठंड पड़ने पर मौन गृह में आवश्यक तापमान बनाए रखने के लिए आवरण करेंगे |
- समय-समय पर मौन गृह की सफाई भी करनी पड़ेगी |
- उपरोक्त चक्रों में निकाले गए शहद को डब्बों में आवश्यक लेब्लिलंग (स्टीकर) लगाकर विपणन करेंगे |

## 6. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

| | | |
|---|---|---|
| 6.1 | उत्पादन चक्र | 90 दिन ( 3 महीने) |
| 6.2 | प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या) | 11 महिला |
| 6.3 | कच्चे माल का स्त्रोत | कुल्लू, भुन्तर |
| 6.4 | अन्य संसाधनों का स्त्रोत | कुल्लू, भुन्तर |

## 7. विपणन/बिक्री का विवरण

| | | |
|---|---|---|
| 7.1 | सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम | कुल्लू, भुन्तर, मनाली |
| 7.2 | उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी | भुन्तर 8 कि0मी0, कुल्लू 18 कि0मी0 , मनाली 58 कि0मी0 |
| 7.3 | बाजार में उत्पाद की अनुमानित मांग | उत्पादन से अधिक मांग है। |
| 7.4 | बाजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया | समूह के सदस्य उत्पादन के अनुसार स्थानीय परचून/थोक दुकानदारों से विपणन के लिए सम्पर्क करेंगे तथा चयनित दुकानदारों की बनाएगें। आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू व मनाली के दुकानदारों से सम्पर्क करके विपणन का कार्य किया जाएगा। |
| 7.5 | मौसम में परिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति | सर्दी में ज्यादा मांग होती है। |
| 7.6 | उत्पाद के संभावित खरीदार | स्थानीय निवासी, दुकानदार और पर्यटक |
| 7.7 | क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता | भुन्तर, मनाली, कुल्लू व समीप के क्षत्रों के स्थानीय निवासी |
| 7.8 | उत्पाद का विपणन तंत्र | • दुकानदारों से सम्पर्क करना।<br>• अपना बिक्री केन्द्र खोलना।<br>• मेलों में स्टाल लगाना। |
| 7.9 | उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति | • थोक व्यापारी से सम्पर्क करना।<br>• परचून व्यापारी से सम्पर्क करना।<br>• लोकल नैटवर्क में प्रचार करना।<br>• सोशल मीडिया में प्रचार करना। |
| 7.10 | उत्पाद का ब्राण्ड नाम | "रूपी वैली शहद" |
| 7.11 | उत्पाद का "नारा" | "रूपी वैली शहद खाणी"<br>"वॉकी सेहत बनाणी" |

## 8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियम बनाये जाएगें।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बंटवारा करेंगें।
- विपणन में अनुभव रखने वाले सभी सदस्य बारी–बारी से विपणन करेगे।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एवं अवलोकन समस–समय पर करते रहेगें।
- प्रत्येक चक्रों के बाद लाभांश व मजदूरी का समान रूप से बंटवारा करेंगे।

## 9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)

**शक्ति: -**

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है ।
2. शहद उत्पादन की प्रकिया असान है तथा बहुत कम श्रम लगाना पड़ता है ।
3. उत्पादन लागत बहुत कम है तथा उत्पादन मांग अधिक है|
4. शहद बहुत समय तक ख़राब नहीं होता है |

**दुर्बलता : -**

1. मधुमखियों की सही देखभाल व पोषण न करने पर मधुमक्खी छोड़कर अन्य जगह स्थानरित हो जाती है|
2. समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है|

**अवसर : -**

1. समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।
2. स्थानीय बाज़ारों में मांग अधिक है।
3. परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय पर 50% किमत को भी वहन किया जाएगा।
4. परियोजना द्वारा मौके पर या स्थिर मधुमक्खी पालन संसथान बजौरा में विशेषज्ञ के माध्यम से प्रशिक्षण करवाया दिया जाएगा।

**जोखिम : -**

1. फूलों के मौसम में वर्षा व अधिक तापमान से शहद उत्पादन कम होने अन्देशा रहता है |
2. सर्दियों में न के बराबर तथा वर्षा में शहद बनाने का चक्र प्रभावित होता है |
3. अत्यधिक सर्दी में आवश्यक तापमान व बचाव कार्य न करने पर मधुमक्खियों का मरने की सम्भावना रहती है |
4. सर्दियों में समय-समय पर चीनी का शर्बत न खिलाने पर भी मधुमक्खी की मरने की सम्भावना रहती है |

## 10. सम्भावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

| क0सं0 | जोखिमों का विवरण | :: | जोखिम कम करने के लिए उपाय |
|---|---|---|---|
| 10.1 | सर्दी के बाद मौन वंशों के शहद में कमी होती है और मधुमक्खियां शहद भंडार के अनुपात में ही पराग लाकर अंडे/बच्चों का पालन आरम्भ करती हैं। | :: | चीनी का शर्बत सर्दियों में मधुमक्खी को खिलाना पड़ेगा ताकि शिशु पालन दर बढ़े और मधु प्रवाह के समय तक कमेरी मधुमक्खियों की संख्या पर्याप्त हो आए और शहद भरपूर मात्रा में एकत्रित हो सके। |
| 10.2 | कभी-कभी बसंत ऋतु में मौसम जब खराब हो जाता है जबकि मौन वंशों में शिशु दर बढ़ी होती है और कमेरी मधुमक्खियां खराब मौसम के कारण आवश्यकता के अनुसार भोजन नहीं ला पातीं । | :: | ऐसे में कत्रिम खुराक देनी चाहिए अन्यथा मौन वंश कमजोर होकर समाप्त हो सकते हैं। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | इससे मौन वंश के संतुलन कार्य में बाधा पड़ती है। | | |
| 10.3 | प्राकृतिक कारणों जैसे लम्बी अवधि तक शुष्क मौसम, सामान्य से कम या भारी वर्षा, आंधी से पुष्पों की क्षति आदि से शहद बनाने की प्रक्रिया वाधित होती है। | | मौन वंशों को बचाने के लिए कृत्रिम खुराक देनी पड़ती है। |
| 10.4 | वर्षा ऋतु में जब शिशु पालन दर मक्की के परागकण उपलब्ध होने से तीव्र हो जाती है । मकरन्द स्त्रोतों की कमी पड़ती है । | | मकरन्द स्त्रोतों में कमी हो जाने पर कृत्रिम भोजन देना आवश्यक है। |

## 11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

| **अ** | पूंजीगत व्यय | | | |
|---|---|---|---|---|
| **क0सं0** | **विवरण** | **मात्रा** | **इकाई दर** | **मूल्य (रू0 में)** |
| 1 | मौन गृह (Long Strooth) | 50 | 1200 | 60000 |
| 2 | मौन वंश (5 फ्रेम) | 50 | 2000 | 100000 |
| 3 | शहद निष्कासन यंत्र | 1 | 3200 | 3200 |
| 4 | धुंआकर | 1 | 1000 | 1000 |
| 5 | मुख्य रक्षक जाली, चाकू, तश्तरी, छाननी, फिडर, हाइव टूल, दस्ताने | 1 | L/S | 1000 |
| 6 | भार तोलन मशीन | **1** | 2000 | 2000 |
| 7 | परिवहन व्यय | **1** | 8000 | 8000 |
| | | | **कुल पूंजीगत व्यय** | **175200** |

| **(ब)** | **आवर्ती व्यय** | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **क्रमाक** | **विवरण** | **इकाई** | **मात्रा** | **दर (रु०)** | **धन राशी (रु०)** |
| 1 | औसत मजदूरी | दिन | 45 | 300 | 13500 |
| 2 | कमरा किराया | महीना | | 1000 | 1000 |
| 3 | मोमी छत्ताधार | नं० | 500 | 20 | 10000 |
| 4 | चीनी | किलोग्राम | 25 | 45 | 1125 |
| 5 | दवाइयाँ / रसाइन | - | L/S | 1000 | 1000 |
| | अन्य खर्चे (पैकिंग मटेरियल डब्बों , स्टीकर, स्टेशनरी, बिजली, पानी बिल, मशीन रिपेयर इत्यादि) | | L/S | 4000 | 4000 |
| | | | | **कुल आवर्ती व्यय** | **30625** |

- औसत मजदूरी केवल लागत लाभ विश्लेषण के लिए अनुमानित की गयी है | वास्तव में यह कार्य समान रूचि समूह के सदस्य बारी-बारी से 4 घंटे प्रतिदिन साफ़ सिफाई व अन्य कार्य करेंगे |

- चीनी 500 ग्राम प्रति मौन ग्रह शर्बत बना कर वर्षा के समय या फलवार उपलब्ध न होने पर मधुमक्खी को खिलाया जाएगा | इसकी मात्रा कम या ज्यादा मौसम के अधार पर बढ या घट सकती है |
- एक वर्ष में 90 दिन के 3 चक्रों में शहद उपलब्ध होगा चौथा चक्र को लीन चक्र रखा गया है क्योंकि इस अवधि में सर्दी में ठंडा मौसम होने के कारण हुरला क्षेत्र में वनस्पति में फलवार नहीं होती है यह अवधि नवम्बर से जनवरी तक होगा | इसमें चीनी का शर्बत खिलाना पड़ेगा |

## 12 अर्थव्यवस्था का सारांश

### उत्पादन की लागत

| क्रं0 | विवरण | धनराशि |
|---|---|---|
| 1 | कुल आवर्ती लागत | 30625 |
| 2 | पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत | 5840 |
| 3 | बैंक से ऋण पर 07 प्रतिशत वार्षिक ब्याज | 2568 |
| | **योग** | **39033** |

- वार्षिक ह्रास 17520 को 3 चक्रों में विवाजित किया गया है | क्योंकि चौथे चक्र में शहद नहीं निकला / बेचा जाएगा |

## 13 अनुमान

### विक्रय मुल्य की गणना

| क0स0 | विवरण | इकाई | धनराशि (रू0) |
|---|---|---|---|
| 1 | **उत्पादन की लागत (250 किलोग्राम)** | प्रति किलोग्राम | 122.5 |
| 2 | **निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)** | 308.16% | 377.5 |
| 3 | **कुल (1+2)** | प्रति किलोग्राम | 500 |
| 4 | **बाजार भाव** | प्रति किलोग्राम | 600 |
| 5 | **आगणित/आंकलित विक्रय मूल्य** | प्रति किलोग्राम | 600 |

## 14. उद्यम हेतू लागत–लाभ विश्लेषण 90 दिन (3 महीने)

| क0स0 | मद | धनराशि (रू) |
|---|---|---|
| 1 | पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक मूल्य ह्रास (अ) | 5840 |
| **2** | **आवर्ती लागत (ब)-** | |
| 2-1 | औसत मजदूरी | 13500 |
| 2-2 | कमरा किराया | 1000 |
| 2-3 | मोमी छत्ताधार | 10000 |
| 2-4 | चीनी | 1125 |
| 2-5 | दवाइयाँ / रसाइन | 1000 |

| | | |
|---|---|---|
| 2-6 | अन्य खर्चे (पैकिंग मटेरियल डब्बों, स्टीकर, स्टेशनरी, बिजली, पानी बिल, मशीन रिपेयर इत्यादि) | 4000 |
| | **योग (ब)** | **30625** |
| 3 | कुल उत्पादन | 250 किलोग्राम |
| 4 | उत्पादन की विक्री दर (रु०) | 500 रु० |
| 5 | उत्पाद की विक्री से आय (स) | 125000 |
| 6 | कुल लाभ स-(अ+ब) = 125000 - (5840 +30625) | 88535 |
| 7 | उत्पाद विक्री से सकल लाभ = कुल लाभ + औसत मजदूरी + कमरा किराया<br>= 88535 + 13500 + 1000 | 103035 |
| 8 | पहला और दूसरा चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतु उपलब्ध धनराशी = उत्पाद की विक्री से आय - (मूलधन व ब्याज वापसी + अगले दो चक्र हेतु आवश्यक आवर्ती व्यय)<br>= 125000 - (23724+ + 1276 + 30625) | 55625 |

- फ्लोवेरिंग के समय बागवान मधुमक्खियों को प्रागण प्रक्रिया के लिए किराये पर रुपए 2000 से लेकर रुपए 2400 तक प्रति मधु गृह लेते हैं | यह आय उपरोक्त आय से अतिरिक्त होगी | इस आय को लागत लाभ विश्लेषण नहीं किया गया है क्योंकि मधु गृह की मांग पर आधारित होगी |
- मौन वंशों के बढने पर बेचने से अतिरिक्त आमदानी होगी |

## 15 धन की आवश्यकता

### (क) समूह की वित्तीय आवश्यकता (प्रथम माह)

| **क्रं. सं.** | **मद** | **धनराशी (रु)** |
|---|---|---|
| 1 | पूंजीगत व्यय | 175200 |
| 2 | आवर्ती व्यय | 30625 |
| | योग | **205825** |

### (ख) समूह के वित्तीय संसाधन

| **क्रं. सं.** | **संसाधन का विवरण** | **धनराशी (रु)** |
|---|---|---|
| 1 | परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 50% अनुदान | 87500 |
| 2 | बैंक से ऋण के रूप में वित्तीय पोषण | 72500 |
| 3 | समूह की आंतरिक बचत | 15000 |
| | **योग** | **175000** |

- बैंक से ऋण लेने के लिए परियोजना द्वारा 1,00,000 परिक्रिमी निधि प्रदान की जायेगी तथा आवर्ती व्यय के लिए 16125 रुपए आगामी बचत से करेंगे | पूंजीगत व्यय की राशी 87500 रुपए परियोजना द्वारा वहन करेंगे तथा शेष 72500 रुपए बैंक से ऋण लेकर तथा 15000 की गई बचत से व्यय करेंगे |

## 16. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणनाः

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय - विक्रय मूल्य /आवर्ती व्यय

= 175000 / 125000 - 30625

अतः ब्रेक इवन पॉइंट = 175000 / 94375

= 1.85 X 90 = 167 दिन (2 चक्रों में)

स्थिर मधुमक्खी पालन के लाभ की मात्रा की गणना पर सम विच्छेदन बिन्दू 167 दिनों (2 चक्रों में) में उपरोक्त अनुपात में विक्रय करने पर प्राप्त किया जा सकता है|

## 17. बैंक से ऋण वापसी का किशतवार नियोजन

| क0 स0 | माह | ऋण वापसी | | | | | | संचय ऋण वापसी | अवशेष ऋण | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | मुलधन | कुल ब्याज | **परियोजना द्वारा 5 % ब्याज देय** | **समूह द्वारा शेष ब्याज 2% देय** | **समूह द्वारा प्रति माह देय किश्त** | कुल | | मुलधन | ब्याज | कुल |
| 1 | महीना –1 | | | | | | | | 72500 | 423 | 72923 |
| 2 | महीना –2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 72923 | 425 | 73348 |
| 3 | महीना –3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 73348 | 428 | 73776 |
| 4 | महीना –4 | 23724 | 1276 | 912 | 364 | 25000 | 25000 | 25000 | 48776 | 285 | 49061 |
| 5 | महीना –5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 49061 | 286 | 49347 |
| 6 | महीना –6 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 49347 | 288 | 49635 |
| 7 | महीना –7 | 24141 | 859 | 613 | 246 | 25000 | 25000 | 25000 | 24635 | 144 | 24778 |
| 8 | महीना –8 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 24778 | 145 | 24923 |
| 9 | महीना –9 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 24923 | 145 | 25068 |
| 10 | महीना –10 | 24635 | 434 | 310 | 124 | 25068 | 25068 | 25068 | 0 | 0 | 0 |
| 11 | महीना –11 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 12 | महीना –12 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | **योग** | **72500** | **2568** | **1835** | **734** | **75068** | **75068** | **75068** | **0** | **0** | **0** |

- 7% वार्षिक ब्याज की गणना प्रतिमाह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है।
- समायोजन के कारण अंतिम ई.एम.आई. नियमित ई.एम.आई. से कम हो सकती है।
- इसके अतिरिक्त परियोजना द्वारा ब्याज को अग्रिम एक किश्त में अदा करने पर अंतिम किश्त घट जाएगी | अंतिम किश्त को ध्यान से बैंक खाते को चेक करके दी जानी आवश्यक है |

# टिप्पणी

समूह के सदस्य को 90 दिन के एक चक्र में 55625 रुपए का लाभ होगा | इस प्रकार प्रत्येक सदस्य को केवल 45 दिन मजदूरी कार्य करने पर यह आमदानी होगी तथा प्रत्येक सदस्य को लगभग 5056 रुपए की आय होगी | इसके अतिरिक्त परियोजना द्वारा वर्षभर 5% दर से ब्याज को वहन किया जाएगा। जिससे 1835 रुपए की समूह की और भी बचत होगी।

आज दिनांक 19/11/22 को मियांवेहड़ दुरला ग्राम विकास समिति की बैठक का आयोजन प्रधान श्री विरेन्द्र जी की अध्यक्षता में की गई।

बैठक में मारकंडे समान रुचि समूह स्थिर मत्स्य/मछली पालन की व्यवसाय योजना के बारे में विस्तृत चर्चा की गई तथा कार्यकारिणी ने व्यवसाय योजना को पूर्ण बहुमत से अनुमोदित किया गया।

आगामी कार्यवाही हेतु FTU के माध्यम से DMU को स्वीकृति हेतु प्रेषित करने के लिए किया जाता है। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया।

| क्र० सं० | नाम | पद | हस्ताक्षर |
|---|---|---|---|
| 1) | श्री बिरेन्द्र कुमार | प्रधान | Virender |
| 2) | श्री बहादुर चन्द | सैक्ट्री | Bhamd |
| 3) | " बरकत अली | सदस्य | [illegible] |
| 4) | श्रीमती अनुपम | उप-प्रधान | Anupama |
| 5) | " खीला देवी | सह-सचिव | Khila |
| 6) | " हेमलता देवी | सदस्य | हेमलता |
| 7) | " पुष्पा देवी | " | Pushpa |
| 8) | " प्रेमा देवी | " | प्रेमा देवी |
| 9) | श्री गोपाल भारद्वाज | " | Gopal |
| 10) | " मुहम्मद शफी | " | [illegible] |
| 11) | श्रीमती परसीनी देवी | " | परसीनी देवी |
| 12 | गोदा देवी | | गोदा देवी |

# समान रूचि समूह के नियमों की सूचि

1. समूह का काम : **स्थिर मधुमक्खी पालन**
2. समूह  का पता : **गाँव हुरला, डाकघर हुरला, तहसील भुन्तर, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश** ।
3. समूह के कुल सदस्य : **11**
4. समूह की पहली बैठक की तिथि : **23.03.2021**
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा।
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 05. तारिक को होगी।
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें।
8. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा।
9. स्वंय सहायता समूह का खाता **काँगड़ा सेंट्रल को-ऑपरेटिव** बैंक शाखा **बजौरा** में खोला जाएगा खाता संख्या नंबर **50073190946** है।
10. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी।
11. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से **गैर** हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा।
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा।
13. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें।
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा।
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें।
16. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी।
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए।
19. स्वंय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए।
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी।
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी।

## समूह का सहमती पत्र

आज दिनांक 19-1-2022 को 'मार्कंडेय' समान रुची समूह हुरला की बैठक हुई | बैठक मे प्रधान श्रीमती सुल्क्षणा महंत की अध्यक्षता मे हुई जिसमे समूह के सदस्यों ने सर्व सहमती से निर्णय लिया की आय बढाने के लिए स्थिर मधुमक्खी पालन का कार्य करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाईका) से जुड़ने की सहमती प्रदान करते है |

निर्मला

समूह के सचिव के हस्ताक्षर

प्रधान Sulakshna सचिव
मारकण्डे स्वयं सहायता समूह
गांव व डाकघर हुरला
तह. भून्तर जिला कुल्लू हि.प्र

समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

प्रधान Sulakshna सचिव
मारकण्डे स्वयं सहायता समूह
गांव व डाकघर हुरला
तह. भून्तर जिला कुल्लू हि.प्र

Recommended for approval please.

Range Forest Officer
Hurla

Approved.

DMU Office JICA FP-cum-
DFO Parvati at Shamshi

# समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ

| | | | |
|---|---|---|---|
| <br>श्रीमती सुलक्षणा महंत<br>(प्रधान) | <br>श्रीमती निर्मला देवी<br>(सचिव) | <br>श्रीमती कर्मा देवी<br>(कोषाध्यक्ष) | <br>श्रीमती लता शर्मा<br>(सदस्य) |
| <br>श्रीमती अमिता शर्मा<br>(सदस्य) | <br>श्रीमती शकुंतला<br>(सदस्य) | <br>श्रीमती उत्मी देवी<br>(सदस्य) | <br>श्रीमती मंजू बाला<br>(सदस्य) |
| <br>श्रीमती इशरी देवी<br>(सदस्य) | <br>श्रीमती अर्चना महंत<br>(सदस्य) | <br>श्रीमती हिमा देवी<br>(सदस्य) | |